Regarding construction of dam by China

श्री दिलीप शइकीया (दारंग-उदालगुड़ी) : आदरणीय सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान चीन द्वारा तिब्बत में यारलुंग जांग्बो के निचले हिस्से में बांध के निर्माण की घोषणा की ओर आकर्षित करना चाहूंगा ।

अभी हाल ही में चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने का ऐलान किया है । ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत से निकलती है और चीन से होते हुए अरुणाचल प्रदेश और असम से बह कर बांग्लादेश पहुंचती है । चीन में इस नदी को यारलुंग जांग्बो कहते हैं । तिब्बत में बनने जा रहे इस बांध का असर भारत और बांग्लादेश दोनों पर पड़ेगा ।

ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले इस बांध को तिब्बत पठार के पूर्वी छोर पर हिमालय की विशाल घाटी में बनाया जाना है, जो कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के बेहद नजदीक है और यह इलाका रिंग ऑफ फायर ज़ोन में आता है । ऐसे में इस जगह इतना विशाल निर्माण करना पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा है ।

महोदया, इस इलाके में अक्सर भूकंप आते हैं । बांध के बनने से ईको-सिस्टम पर अत्यधिक दबाव पड़ेगा, जिससे कई हादसे हो सकते हैं । भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य और बांग्लादेश पहले से ही भयंकर बाढ़ की घटनाओं का सामना करते आ रहे हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण उन्हें और अधिक चुनौतियों जैसे- भूस्खलन, भूकंप और बाढ़ आदि का सामना करना पड़ेगा, जो कि यहां की सभ्यता पर्यावरण, संस्कृति और नागरिक जीवन के लिए बहुत ही बड़ा खतरा साबित होगा ।

इस बांध के निर्माण के बाद यह दुनिया का सबसे बड़ा बाँध हो जाएगा और वर्ष 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस बांध पर बनने वाले हाइड्रोपावर स्टेशन से हर साल 300 मिलियन केडब्ल्यूएच से अधिक बिजली पैदा की जा सकती है ।

महोदया, चीन लगभग 137 बिलियन डॉलर की लागत से इस बांध का निर्माण करने जा रहा है, जो कि दुनिया का सबसे बड़ा बांध होगा । उसने जिस बांध को बनाने का प्लान तैयार किया है, उसमें काफी ज्यादा मात्रा में पानी को स्टोर किया जा सकेगा । जाहिर है कि बांध बनने के बाद नदी के बहाव पर चीन का कंट्रोल हो जाएगा और भविष्य में पूर्वोत्तर भारत में पानी की कमी या बाढ़ का संकट हमेशा के लिए बना रहेगा । साथ ही, अरुणाचल प्रदेश की सीमा के बेहद नजदीक तक चीन का प्रभाव भी बढ़ जाएगा ।

अतः आपके माध्यम से मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर इस बांध के निर्माण को रोकने के विषय में जरूरी कदम उठाने का कष्ट करें, ताकि असम समेत पूरे पूर्वोत्तर भारत को भविष्य के संकटों से बचाया जा सके । धन्यवाद ।